

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड,  
रूड़की-हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 13 मई 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु राजकीय मुद्रणालय रूड़की के लिए अवचनबद्ध मदों में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संयुक्त निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रूड़की के पत्र संख्या 987/बजट/2010-11 दिनांक 17.4.2010 तथा शासनादेश संख्या: 187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु राजकीय मुद्रणालय, रूड़की के अवचनबद्ध मदों की समस्त धनराशि निम्न विवरणानुसार कुल रू० 213.00 लाख (रू० दो करोड़ तेरह लाख मात्र) व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

कोड/मद का नाम	आवंटित बजट (रू० हजार में)
04-यात्रा व्यय	50
07-मानदेय	40
08-कार्यालय व्यय	600
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50
25-लघु निर्माण कार्य	200
29-अनुरक्षण	100
31-सामग्री और सम्पूर्ति	20000
45-अवकाश यात्रा व्यय	50
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	100
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशरी का क्रय	60
योग:	21250
104-अन्य साधनों से मुद्रण की लागत	
03-छपाई की लागत	
42-अन्य व्यय	50
कुल योग	21300
(रू० दो करोड़ तेरह लाख मात्र)	

2- उक्त धनराशि अवचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है व आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण के रजिस्टर बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

4- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग 31 मार्च 2011 से पूर्व कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

6- व्यय करते समय यथा आवश्यक उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के प्राविधानों का अनुपालन किया जायेगा, तथा धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 में इंगित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण, 00-आयोजनेत्तर, 001-निदेशन एवं प्रशासन, 03-राजकीय मुद्रणालय, रुड़की, अधिष्ठान एवं 104-अन्य साधनों से मुद्रण की लागत के अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 96/XXVII(2)/10 दिनांक: 07 मई 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1438(1)/VII-II-09/06-रा०मु०/06 तद दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, रुड़की, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)  
अपर सचिव।